महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

Maharshi Sandipani Rashtriya Veda Vidya Pratishthan, Ujjain

ज्योतिषशास्त्र पाठ्यक्रम

Level 2.5

कार्यक्षेत्र- ज्योतिषशास्त्र कनिष्ठ सहायक

Job Role- Jyotishashastra Kanishtha Sahayak

क्र.सं.	अध्याय	विषय सूची
1	ज्योतिश्शास्त्र का स्वरूप	ज्योतिषशास्त्र का उद्भव, ज्योतिषशास्त्र का स्वरूप, ज्योतिषशास्त्र की उपयोगिता, ज्योतिषशास्त्र के प्रवर्तक
2.	राशिभेदाध्याय	राशियों के नाम, राशियों के पर्यायपद, मेषादि राशियों के स्वामी, सूर्यादि ग्रहों के उच्च- नीच स्थान, मूलत्रिकोण राशि, मेषादि राशियों का स्वरूप, राशियों की क्रूराक्रूर,स्त्री (सम) एवं पुरुष (विषम) संज्ञा, पित्तादि धातु विचार एवं रोग ज्ञान, चर,स्थिर और द्विस्वभाव, द्विपद, चतुष्पद् और कीट, दिवाबली और रात्रिबली, पृष्ठोदय और शीर्षोदय , मेषादि राशियों की विप्रादि संज्ञा, मेषादि राशियों के वर्णविशेष, राशियों के द्रव्य, जन्मराशि और नाम राशि, दिशा ज्ञान , द्वार, बाह्य और गर्भ, धातु, मूल और जीव, अयन कर्क और मकर, राशिस्वरूप, राशियों के वास स्थान, कालपुरुष के अंगों में मेषादि राशियों का न्यास, , राशियों के तत्त्व, मेषादिराशियों के देश ।
3.	ग्रहभेदाध्याय	**ग्रह**, कालपुरुष के आत्मादि कारक ग्रह, सूर्यादि ग्रहों की राजा एवं कुमारादि संज्ञा, शुभाशुभ, सूर्यादि ग्रहों का उदय विचार, वेदों के अधिपति और धातुमूलादि संज्ञा, ग्रहों की अवस्था, वर्ण, ग्रहों की कक्षा का क्रम, वारेशज्ञान, रस, तत्व और ग्रहों के पर्याय, सूर्यादि के उपग्रह, देवता, ग्रहबल – दिग्बल,

		गोचर और मार्गी, शत्रु और मित्र, उच्च - नीच. स्वक्षेत्र, मूलत्रिकोण और वर्गोतम सूर्यादि ग्रहों के स्वरुप, दिशा और प्रदेशा , पुरुष और स्त्री, ग्रहों के अनुसार रोग प्रकार ज्ञान, संक्राति, धान्य और रत्न, ग्रहों के द्रव्य तथा देवता, ग्रहों के रत्न, ग्रहों की दिशा, ग्रहों की ऋतु, ग्रहों के कारक, ग्रहों के प्रदेश विभाग, ग्रहों की जाति, ग्रहों के पञ्च महाभूत ।
4.	पञ्चाङ्गविधान	**तिथि** - तिथि स्वामी, तिथि संज्ञा, पक्षरन्ध्र तिथि, तिथिगण्डान्त , तिथि दग्ध, तिथि शून्य । **वार-** वारदोष , परिहार, **नक्षत्र -** नक्षत्राधिपति, नक्षत्रसंज्ञा, नक्षत्र गण्डान्त , शुभाशुभ , अन्धाक्ष, मध्याक्ष, सुलोचन, पादज्ञान। **योग-** विष्कुम्भादि, शुभाशुभ विचार एवं अपवाद। **करण-** करणप्रकार, भद्राविचार, शुभाशुभ। **पक्ष ज्ञान -** शुक्लपक्ष, कृष्णपक्ष। **अयन ज्ञान** – उत्तरायण, दक्षिणायण।
5.	मुहूर्त्तविधान	मुहूर्त्तविचार, गृहारम्भ, गृहप्रवेश, अक्षरारम्भ, विद्यारम्भ, उपनयन, रवियोग, व्यवसाय, सर्वार्थसिद्धि, संक्रान्ति नक्षत्र से शुभाशुभ फल ज्ञान, गोधूलिवेला, कर्ज देने-लेने का मुहूर्त, अमृतयोग, आनन्दादियोग, अभिजित, अशुभयोग, तथा परिहार विचार, वाहन सम्पति क्रय-विक्रय आदि।
6.	भावविचार	परिचय, कारकग्रह, भावों की केन्द्रादि संज्ञा, भावो के पर्यायपद, शुभाशुभ भावेश एवं फल, भावों से विचारणीय विषय, निर्बल ग्रह के लक्षण। प्रयोजन
7.	गोचरविचार	चन्द्र लग्न की प्रधानता, ग्रहों का राशियों में संचरण तथा शुभाशुभ फल।

सहायक पाठ्यपुस्तक-

1. जातकपारिजात डा. हरिशंकर पाठक चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी

2. लघुजातकम् डॉ. कमलकान्त पाण्डेय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

3. मुहूर्तचिन्तामणी रामदैवज्ञ,(पियूषधारा) विघ्नेश्वरी प्रसाद, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

4. सूर्यसिद्धान्त, रामचन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

5. बृहत्संहिता, डॉ. अच्युतानन्द झा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

6. षट्पञ्चाशिका, आचार्य गुरु प्रसाद गौड., पं, श्रीकृष्ण जुगुनु, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

7. बृहज्जातकम् (भट्टोपल टीका) चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

8. बृहत्पाराशरहोराशास्त्र, डॉ. पद्मनाथ मित्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

9. फलदीपिका, डॉ. हरिशङ्कर पाठक, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

10. अथर्ववेद